अमर उजाला

बरेली
शुक्रवार, 30 अगस्त 2019

Page No-5 : Bottom

जटिल केसों के खुलासे में फोरेंसिक विभाग का है महत्वपूर्ण योगदान

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली। एसआरएमएस के फोरेंसिक मेडिसिन विभाग की ओर से गुरुवार को डीएनएकॉन-2019 कॉंफ्रेंस और कार्यशाल का शुभारंभ हुआ। इसमें देश विदेश के कई ख्याति प्राप्त फोरेंसिक विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया। संस्थान के चेयरमैन देवमूर्ति ने कॉंफ्रेंस के जरिए आधुनिक तकनीकी से फोरेंसिक क्षेत्र में विशेष फायदा होने की संभावना जताई है। मुख्य अतिथि डीआईजी राजेश पांडेय ने आपराधिक केसों के खुलासे के लिए फोरेंसिक मेडिसिन विभाग की अनिवार्यता पर जोर दिया।

डीएनएकॉन का शुभारंभ करते डीआईजी और दूसर पदाधिकारी व अन्य।

कॉंफ्रेंस के पहले दिन यूसीएमएस नई दिल्ली के डॉ. सतीश कुमार वर्मा ने डॉक्टरों पर होने वाले हमलों का कारण और उसके निवारण जैसे मुद्दे पर अपना विचार रखा। बांदा से आए डॉ. मुकेश यादव ने अस्पतालों में होने वाली अनैतिक उपचार और तोड़फोड़ पर प्रकाश डाला। वहीं, एम्स के डॉ. ओपी मूर्ति ने चिकित्सकीय उपेक्षा पर अपने विचार रखा।

महाराष्ट्र से आए डॉ. इंद्रजीत खांडेकर ने क्लीनिकल फोरेंसिक के मेडिकोलीगल रिपोर्ट को लिखने और उसकी त्रुटियों को सुधारने की जानकारी दी।

इस दौरा प्रशासनिक निदेशक आदित्य मूर्ति, संस्था के प्राचार्य डॉ. एसवी गुप्ता, सीएमएस डॉ. एके गुप्ता, सचिव डॉ. जसविंदर सिंह मौजूद रहे।